बीएसजी अगुवो की मार्गदर्शिका

बीएसजी अगुवों की मार्गदर्शिका, बीएसजी (बाइबल अध्धयन समूह) में अगुवों की सहायता करने और उन्हें निर्देशित करने के उद्देश्य से तैयार की गई है, जो नेटवर्क में विश्वासियों को चेले बनाने के लिए एक माध्यम के रूप में उपयोग की जा सकती है। बाइबल अध्ययनों का उद्देश्य विश्वासियों को प्रतिदिन व्यक्तिगत प्रार्थना मे समय व्यतीत करने और अपने विश्वास का विकास कैसे करना है उसमें सहायता प्रदान करना है। बाइबल अध्ययन समूह की अगुवाई करने का कोई सही या गलत तरीका नहीं है, इस मार्गदर्शिका का उपयोग एक मार्गदर्शक के रूप में किया जा सकता है । हम आपको प्रोत्साहित करते हैं, कि आप अपने क्षेत्रो में मार्गदर्शन और निर्देशन की आत्मा की खोज में रहे कि कैसे आप अपने क्षेत्रों में बी एस जी (बाइबल अध्धयन समूह) को लागू कर सकते है

उद्देश्य

बीएसजी (बाइबल स्टडी ग्रुप) का उद्देश्य परमेश्वर के लोगों को व्यक्तिगत रूप से परमेश्वर के वचन के अध्ययन में बेहतर रूप से सुसज्जित करना है ताकि वे परमेश्वर के साथ अपने व्यक्तिगत अंतरंग सम्बंधो का विकास कर सके और परमेश्वर की मंशा के अनुसार अपने विश्वास का प्रदर्शन कर सके

बी एस जी के उद्देश्य

चार मुख्य उद्देश्य हैं:

1. **परमेश्वर के साथ अंतरंगता**

   बीएसजी परमेश्वर के साथ संबंध पर जोर देती है, यह हमारे अस्तित्व के मुख्य उद्देश्यों में से है, और यह जीवन के परिवर्तन की मुख्य कुंजी है

2. **प्रेरक बाइबिल अध्ययन**

   विश्वासियों को बी एस जी सामग्री के उपयोग्य के माध्यम से प्रेरक बाइबल अध्ययन सिखाया जाता है, जिस के द्वारा विश्वासियों को प्रशिक्षिण प्राप्त होता है

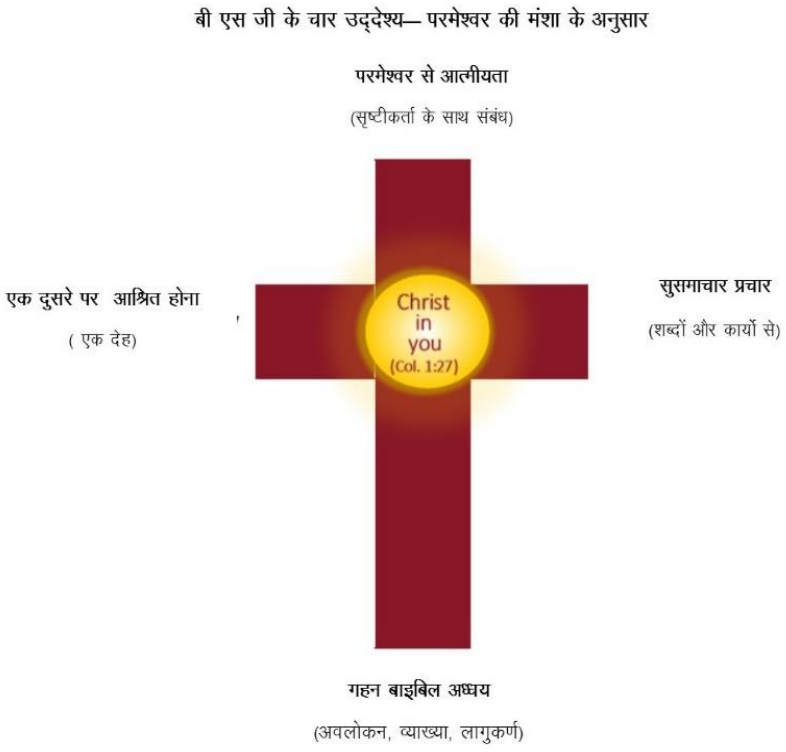

अवलोकन (बाइबल क्या कहती है?)

व्याख्या (इसका क्या अर्थ है?)

लागूकरण (आज मेरे जीवन का क्या अर्थ है?)

3. अंतरनिर्भरता

बी एस जी के प्रमुख कार्य मे से एक यह है कि यीशु मसीह के अधीन रह कर एक देह के रूप में कार्य करने के महत्व को सिखाना, और हमारी दैनिक दिनचर्या में यह कैसा प्रतीत होता है।

4. सुसमाचार प्रचार

विश्वासियों को प्रेरणा प्रदान करना कि जो कुछ उन्होंने अपने अध्ययनों के द्वारा सीखा है उसे अविश्वासियों को बताना है और यह भी सिखाया जाता है कि कैसे शब्द और कार्यो के द्वारा सुसमाचार प्रचार कर सकते है

क्रूस के चित्र में बीएसजी चार उद्देश्यों को दर्शाया गया है, जिसका लक्ष्य विश्वासियों को परमेश्वर की इच्छा के अनुरूप कैसे जीवन को जिए सिखाना है, चारो उद्देश्य परस्पर जुड़े हुए हैं और उन्हे हमारे दैनिक जीवन में लागू करने की आवश्यकता है। दो ऊर्ध्वाधर उद्देश्य, परमेश्वर और बाइबल अध्ययन के साथ अंतरंगता, मुख्यरूप से आधारभूत और परमेश्वर से संबंधित हैं। दो क्षैतिज उद्देश्य, एक दूसरे पर निर्भरता और सुसमाचार प्रचार से संबंधित है , दोनो का उद्देश्य एक है जो की दूसरों से कैसे संबंध रखे इस पर आधरित हैं। सभी चारो उद्देश्य का केंद्र मसीह हैं। वह चारों उद्देश्यों की कुंजी है; और उनको उससे अलग नहीं किया जा सकता है

चारों उद्देश्य अतिआवश्यक है। जिन्हें आप एक दूसरे की सहयता के बगैर नही कर सकते हैं?

बाइबल के गहन अध्ययन के बिना परमेश्वर से आत्मीयता = परमेश्वर के उद्देश्यों, योजनओं और उसके लोगों के प्रति हमारा सीमित ज्ञान होगा। (2 तीम 3:16)

परमेश्वर के साथ आत्मीयता के बिना गहन बाइबिल अध्ययन = रूढ़िवाद; फलहीन कार्य (होशे 6: 6; यूहन्ना15: 5)।

बिना परस्पर निर्भरता के सुसमाचार = पदार्थ के बिना शब्द "यदि आपस में प्रेम रखोगे तो इसी से सब जानेंगे, कि तुम मेरे चेले हो। " (यूहन्ना 13:35; रोमियों 12: 5; 1कुरि 12: 26-27; कुलि 1:18)

सुसमाचार प्रचार बिना परस्पर निर्भरता = आरामदायक छोटी कलीसियाऐ परमेश्वर के लोगो के प्रति अपने कार्यो को पूरा नहीं करती (मत्ती 28: 1 9 -20)

बी एस जी कैसे काम करता है

ग्रहकलीसिया नेटवर्क में विश्वासियों को चेले बनाने के लिए बीएसजी एक मुख्य साधन के रूप मे उपयोग होता है। विश्वासियों को अनुशासित और सेवा के कार्यो को करने लिए प्रेरक बाइबल अध्ययन सामग्री और प्रशिक्षण के माध्यम से बी एस जी के चार उद्देश्यों में सुसज्जित किया जाता है।

बीएसजी अगुवे अपने क्षेत्र में चेले बनाने के प्रशिक्षण और सुसमाचार प्रचार के कार्यकर्मो की देखरेख करने के प्रति उत्तरदायी होगे। वे अपने नेटवर्क में अगुवों और विश्वासियों को कैसे प्रशिक्षित करना है यह सीखने के लिए उन्हें बीएसजी प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेना होगा । इन प्रशिक्षण के दौरान, अगुवो को सिखाया जायेगा कि, विशेषकर विश्वासियों की याजकाई, और आत्मिक विकास को विकसित करने के लिए अभ्यास / अनुशासित होने के संदर्भ में एस सी पी मूल्यों के साथ कैसे सहयोग प्रदान किया जा सकता है । उन्हें आधारभूत सिद्धांतों और धर्मविज्ञान की सच्चाइयों को भी सिखाया जायेगा, जो की विश्वास में एक मजबूत नींव रखने के लिए प्रत्येक विश्वासी को ज्ञात होना अतिआवश्यक है। हमारी आशा है कि एक साथ समय व्यतीत करके और नियमित संपर्क / अनुवर्ती विकास के द्वारा, बीएसजी के अगुवों को प्रशिक्षित और सुसज्जित किया जाएगा जिससें वह अपने नेटवर्क में विश्वासियों की देखरेख भली प्रकार से कर पायेगे।

बीएसजी का आयोजन कैसे करें

बाइबिल अध्ययन सामग्री

बाइबल अध्ययन सामग्री का उद्देश्य प्रत्येक दिन परमेश्वर के वचन में विश्वासियों को अध्ययन करने और परमेश्वर की इच्छा की अनुरूप में जीवन जीना सिखाना है, प्रत्येक पाठ को 6 दिनों में विभाजित किया गया है। प्रथम पांच दिनों मे प्रतिभागियों को पध्यांशों को पढ़ना और अध्ययन के दौरान प्राप्त प्रश्नों का उत्तर देना है। छठवे दिन उस सप्ताह के अध्ययन पध्यांशो के विषय में और अधिक स्पष्टीकरण प्रदान करता है। यह बहुत महत्वपूर्ण है कि प्रतिभागी छठे दिन का पाठ पढ़ने से पहले परमेश्वर से व्यक्तिगत रूप से मिले और उसके शांतकाल के समय मे परमेश्वर ने क्या कहा है उसे ज्ञात करने का प्रयास करे. सातवाँ दिन समूहो की सभाओं का दिन होगा।

पाठ का अध्ययन घर पर या शांत जगह में किया जाना चाहिए । विश्वासियों को सप्ताह में एक बार एक साथ इकट्ठा होना चाहिए और एक दूसरे के प्रति जवाबदेह होना चाहिए।

समूह के अगुवे

प्रत्येक समूह में एक अगुवा / सुविधाकर्ता होना चाहिए, यह व्यक्ति समूह का चरवाहा होगा ये अगुवे महत्वपूर्ण होते है क्योंकि वे अपने समूह में लोगों को अनुशासित करते हैं। ये अगुवे सप्ताह के दौरान अपने समूह के लोगों को उनके लिए प्रार्थना करने के लिए उनके समूहों से संपर्क करना चाहते हो और उनके किसी भी प्रश्नो के उत्तर प्राप्त करने मे उनकी मदद करना, उन्हें अपने पाठ को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित करने और परमेश्वर के साथ उनके चलने के अनुभव को जानने लिए लोगों से संपर्क करना चाहते हो, हम चाहते हैं कि हर विश्वासी अपने अगुवे पर नहीं, वरन परमेश्वर पर निर्भर होना सीखना

चाहिए, अगुवे को हमेशा उत्तर देने के लिए पवित्रशास्त्र की और इंगित करना चाहिए और उन्हें बताना चाहिए की कैसे परमेश्वर उनके जीवन मे कार्य कर रहा है। लक्ष्य यह है कि प्रत्येक विश्वासी यह जान जाये की बाइबल उनके जीवन के लिए मार्गदर्शक है और परमेश्वर के साथ उनके संबंधों में वृद्धि कर सकती है

स्वरूप

- आराधना/ प्रारंभिक प्रार्थना

-समूह का समय - सप्ताह के पाठो के उत्तरों पर चर्चा करें। अधिक जानकारी के लिए "समूह गतिशीलता" के भाग में देखें

-शिक्षा का समय - एक बार समूह उस सप्ताह के प्रश्नों के उत्तरों पर चर्चा कर चुका हो, तो समूह का अगुवा उन पदों पर एक शिक्षा प्रदान कर सकता हैं। उस सप्ताह छ दिन का अध्ययन उसको पाठ की तैयारी में मदद करेगा। सुनिश्चित करें की पाठ में लागूकरण अवश्य शामिल किया जाये

-समापन की प्रार्थना

समूह की गतिशीलता

समूह के अगुवे का उत्तरदायीत्व होगा कि वह समूह के समय को सुगम बनाने का प्रयास करे, वह सभी प्रतिभागियों की सहायता करे की सभी लोग परिचर्चा में शामिल हो।

-एक और बेहतर देखने के लिए एक गोलाकार में बैठे।

-अपने समय पर ध्यान दें और सभी प्रश्नों को समाप्त करने का प्रयास करें। प्रत्येक प्रश्न को पढ़ते समय जोर से और स्पष्ट रूप से बोलें, प्रत्येक प्रश्नों के लिए कई उत्तरों को प्राप्त करने की अनुमति प्रदान करे, जब तक कि वह प्रश्न तथ्यों पर आधारित ना हो। जब तक प्रश्न समाप्त नहीं हो जाते हैं, तब तक उन्हें एक समूह के रूप में एक साथ पूरा करने का प्रयास करे। प्रश्नों को आधे भाग में बाँट ले ताकि 15 मिनट पश्चात आप कहां होगे यह ज्ञात हो सके।

-यह कहकर प्रारंभ करे कि हम एक दूसरे से सीखते हैं क्योंकि परमेश्वर हमें हमारे घर पर हमे हमारे प्रश्नों के उत्तर सिखाता है। चुप रहने वाले विश्वासियों से आसान प्रश्नों को पूछकर उन्हें प्रोत्साहित करें (पहले से ही आसान और कठिन प्रश्नों को चिह्नित कर ले) अधिक बात करने वाले विश्वासियों से कहे की वह प्रार्थना करे सभी भाग ले, और लोग कम बोलने वालो को प्रोत्साहित करें।

-आँख से आँखों के संपर्क के साथ अच्छी तरह से सुनना सीखें, यदि व्यक्तिगत प्रश्नों को नही बोल रहे है तो पहले अपने उत्तर को बताईये की और लोग भी उत्साहित हो।

-याद रखें कि हम सभी अपने आत्मिक जीवन की यात्रा में अलग-अलग जगहों पर हैं। प्रश्नों के उत्तर प्राप्त करने से पूर्व प्रश्नों की प्रतियोगिता से बचने का प्रयास करें, कुछ लोग पाठ में सभी प्रश्नों को पूरा कर लेगे और अन्य केवल एक या दो प्रश्नों का उत्तर देंगे। लक्ष्य यह है की विश्वासी हर दिन परमेश्वर के वचन में समय व्यतित करे और प्रतिदिन उसके साथ प्रार्थना का समय व्यतीत करे।

-कुछ समय समूह के रूप में एक साथ मिल कर प्रार्थना करे। प्रार्थना मे भागीदारी वैकल्पिक है और कड़ाई से गोपनीय रखी जाये। लक्ष्य यह है कि कैसे हम भाइयों और बहनों के साथ एक साथ मिल कर, अपने स्वर्गीय पिता के पास जाना है, और यह जानना कि वह हमारी चिंता करता है और हमारी प्रार्थनाओं का उत्तर देता है। प्रत्येक सदस्य को इस समय और पूरे सप्ताह के दौरान एक दूसरे के लिए प्रार्थना करने के लिए प्रोत्साहित करें।

समापन

प्रिय भाइयों और बहनों,

जैसा कि हम इस यात्रा मे एक साथ चलते हैं, मैं प्रार्थना करती हूं कि हम प्रभु की गहराई और उसके वचन के ज्ञान में वृद्धि करें। हम अपने सृष्टिकर्ता के साथ सच्ची अंतरंगता का अनुभव कर सकते हैं और उसके साथ जैसा वह चाहता है चल सके, हम एक ही सिर, अथार्त यीशु मसीह के अधीन हो कर एक देह के रूप में कार्य करना सीख सके। काश अपने जीवन पर बुलाहट को पहचान कर उसे पूरा करने का प्रयास करें की हम सभी जातियों के लोगो को सुसमाचार सुनाने और उन्हें चेला बनाने के कार्य में लगे रह सके

मैं आप में से प्रत्येक एक के लिए प्रार्थना कर रही हूं। काश हम मुख्य चरवाहे का पालन करें, हम उस से नम्रता पूर्वक सीख रहे हैं, क्योंकि हम उसके झुंड का नेतृत्व कर रहे हैं।

यीशु में

बहन पट्टी